बजट 2022-23

प्रलिम्सि के लयि:

बजट और संवैधानकि प्रावधान, बजट में उल्लखिति पहल जैसे- पीएम गतशिक्त,ि एक स्टेशन एक उत्पाद अवधारणा आद,ि अमृत काल, आजादी का अमृत महोत्सव।

मेन्स के लयि:

बजट और संवैधानकि प्रावधान, बजट 2022 की मुख्य वशिषताएँ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वत्ति मंत्री ने केंद्रीय बजट 2022-23 पेश कयि। इस बजट के साथ भारत ने आज़ादी का अमृत महोत्सव के माध्यम से आज़ादी के 75 वर्ष पूरे करने को चह्निति कयि।

- इसके अलावा बजट अगले 25 वर्षों के लयि एक योजना भी नर्धिारति करता है और उसी अवधकिो **अमृत काल** के रूप में संदर्भति करता है।

बजट 2022 की मुख्य वशिषताएँ:

- **वकिास दर:** चालू वर्ष (2021-22) में भारत की आर्थकि वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद का 9.2% होने का अनुमान है, जो सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधकि है।
- **अमृत काल:** भारत ने **अमृत काल** में प्रवेश कयि है, जो भारत@100 की 25 वर्ष लंबी लीडअप योजना है। अमृत काल के दौरान सरकार का उद्देश्य नम्निलखिति लक्ष्य प्राप्त करना है:
  - सूक्ष्म-आर्थकि स्तर की सभी समावेशी कल्याण नीतयिों के साथ '**मैक्रो-इकोनॉमकि लेवल ग्रोथ फोकस**' को लागू करना।
  - डजिटिल अर्थव्यवस्था और फनिटेक, प्रौद्योगकिी सक्षम वकिास, ऊर्जा संक्रमण एवं जलवायु कार्रवाई को बढ़ावा देना।
  - सार्वजनकि पूंजी नविश के साथ नजिी नविश को बढ़ावा देना।
- **अमृत काल का ढाँचा: चार प्राथमकिताएँ:**
  - पीएम गतशिक्त
  - समावेशी वकिास
  - उत्पादकता वृद्धि और नविश, उदीयमान अवसर, ऊर्जा संक्रमण और जलवायु कार्रवाई
  - नविश का वत्तिपोषण
- **प्रोडक्टविटिी लकि्ड इंसेंटवि:** प्रोडक्टविटिी लकि्ड इंसेंटवि स्कीम के तहत 14 क्षेत्रों में 60 लाख नए रोज़गार सृजति होंगे।
- **बजट में अन्य प्रमुख घोषणाएँ:**
  - **रेलवे:** स्थानीय व्यवसायों और आपूर्ति शृंखलाओं की सहायता के लयि '**वन स्टेशन, वन प्रोडक्ट**' अवधारणा।
  - **पर्वतमाला:** यह एक **राष्ट्रीय रोपवे वकिास कार्यक्रम** है, इसे **पीपीपी मोड** पर संपन्न कयि जाना है।
  - **कसिान ड्रोन:** फसल मूल्यांकन, भूमि अभलिेखों का डजिटिलीकरण, कीटनाशकों और पोषक तत्त्वों का छड़िकाव।
  - **MSME: उद्यम, ई-श्रम, NCS** और असीम पोर्टल को आपस में जोड़ा जाएगा।
  - **कौशल वकिास:** ऑनलाइन प्रशक्षिण के माध्यम से नागरकिों को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ आजीवकिा हेतु डजिटिल पारस्थितिकिी तंत्र **(DESH-Stack e-portal)** शुरू कयि जाएगा।
  - **शक्षिा:** पीएम ई-वद्यि के 'वन क्लास-वन टीवी चैनल' कार्यक्रम को 200 टीवी चैनलों तक वस्तिारति कयि जाएगा।
  - **स्वास्थ्य:** राष्ट्रीय डजिटिल स्वास्थ्य पारस्थितिकिी तंत्र के लयि एक खुला मंच शुरू कयि जाएगा।
  - **सक्षम आँगननवाड़ी (नई पीढ़ी की आँगनवाड़ी):** मशिन शक्त,ि मशिन वात्सल्य, सक्षम आँगनवाड़ी और पोषण **2.0** के माध्यम से महलिाओं एवं बच्चों को एकीकृत लाभ।
  - **पीएम-डवािइन: यह नई योजना पूर्वोत्तर क्षेत्र के लयि प्रधानमंत्री वकिास पहल (पीएम-डवािइन) के तहत पूर्वोत्तर में बुनयिादी ढाँचे और सामाजकि वकिास परयिोजनाओं को नधिि देने के लयि शुरू की गई है।**
  - वाइब्रेंट वलिेज प्रोग्राम: उत्तरी सीमा पर वरिल आबादी, सीमति कनेक्टविटिी और बुनयिादी ढाँचे के साथ सीमावर्ती गाँवों के वकिास के लयि

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम शुरू किया जाएगा।
    - उदीयमान अवसर: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भू-स्थानिक प्रणालियों और ड्रोन, सेमीकंडक्टर तथा इसका इकोसिस्टम, अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, जीनोमिक्स एवं फार्मास्युटिकल्स, हरित व स्वच्छ ऊर्जा आवागमन प्रणालियों में बड़े पैमाने पर सतत् विकास में सहायता करने तथा देश के आधुनिकीकरण की अपार संभावनाएँ हैं।
    - GIFT-IFSC: गिफ्ट सिटी में विश्व स्तरीय विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों को अनुमति दी जाएगी।
        - अंतर्राष्ट्रीय न्याय के तहत विवादों के समय पर निपटारे के लिये एक **अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र** स्थापित किया जाएगा।
    - **डिजिटल रुपया:** भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वर्ष 2022-23 से डिजिटल रुपए की शुरुआत की जाएगी।

बजट और संवैधानिक प्रावधान:

- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 112** के अनुसार, एक वर्ष के केंद्रीय बजट को वार्षिक वित्तीय विवरण (Annual Financial Statement- AFS) कहा जाता है।
- यह एक वित्तीय वर्ष में सरकार की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का विवरण है (जो चालू वर्ष में 1 अप्रैल से शुरू होकर अगले वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होता है)।
- **बजट में निम्नलिखित बिंदुओं को शामिल किया जाता है:**
    - राजस्व और पूंजी प्राप्तियों का अनुमान।
    - राजस्व बढ़ाने के तरीके और साधन।
    - व्यय अनुमान।
    - पिछले वित्तीय वर्ष की वास्तविक प्राप्तियों और व्यय का विवरण तथा उस वर्ष में किसी भी कमी या अधिशेष का कारण।
    - आने वाले वर्ष की आर्थिक और वित्तीय नीति, अर्थात् कराधान प्रस्ताव तथा नई योजनाओं/परियोजनाओं की शुरुआत।
- **संसद में बजट छह चरणों से गुज़रता है:**
    - बजट की प्रस्तुति।
    - आम चर्चा।
    - विभागीय समितियों द्वारा जाँच।
    - अनुदान मांगों पर मतदान।
    - विनियोग विधेयक पारित करना।
    - वित्त विधेयक पारित करना।
- वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों का विभाग 'बजट डिवीज़न' तैयार करने हेतु ज़िम्मेदार केंद्रीय निकाय है।
- स्वतंत्र भारत का पहला बजट वर्ष 1947 में प्रस्तुत किया गया था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/budget-2022-23-3